दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (CDOE)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-171005

प्रदत्त कार्य (ASSIGNMENT)
स्नातकोत्तर हिन्दी द्वितीय सत्र

आवश्यक निर्देश :-

- विद्यार्थी प्रदत्त कार्य (ASSIGNMENT) के मुख्य पृष्ठ पर अपना नाम, माता-पिता का नाम, अनुक्रमांक/पंजीकरण संख्या, मोबाइल एवं WhatsApp नंबर, पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण साफ़ व स्पष्ट शब्दों में लिखें।
- प्रत्येक विषय में 20 अंकों का प्रदत्त कार्य कार्य दिया जाएगा जो 3 खण्डों में विभक्त होगा।
- प्रदत्त कार्य-1 एवं प्रदत्त कार्य-2 कुल 14 (7+7) अंकों विभक्त होगा तथा प्रदत्त कार्य-3 कुल 6 अंकों में विभक्त होगा।
- जेनेरिक -1 विषय में दो ही प्रदत्त कार्य होंगे जो 10+10 अंकों में विभक्त होंगें।
- जेनेरिक -1 (मीडिया लेखन एवं हिन्दी पत्रकारिता) स्नातकोत्तर हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए नहीं होगा।

क्र.सं	विषय क्रमांक	विषय	प्रदत्त कार्य-1 अंक	प्रदत्त कार्य-2 अंक	प्रदत्त कार्य-3 अंक	कुल योग
1	MHIN 201	भक्ति एवं रीति काव्य	07	07	06	20
2	MHIN 202	हिन्दी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)	07	07	06	20
3	MHIN 203	आधुनिक गद्य साहित्य	07	07	06	20
4	MHIN 204	हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि	07	07	06	20
5	MHIN 205	मीडिया लेखन एवं हिन्दी पत्रकारिता (GE-1)	10	10		20

नोट – प्रदत्त कार्य (Assignments) निम्नलिखित पते पर प्रेषित करें

Director of ICDEOL
Himachal Pradesh University
Summerhill, Shimla, 171005

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (CDOE)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-171005

प्रदत्त कार्य-

(ASSIGNMENT-)

नाम –

माता का नाम –

पिता का नाम –

अनुक्रमांक/पंजीकरण संख्या -

सत्र –

कार्यक्रम –

विषय शीर्षक –

विषय क्रमांक –

मोबाइल नं. –

दिनांक –

प्राप्तकर्ता –

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्र

भक्ति एवं रीति काव्य

कोर्स कोड़ : **MHIN 201**

निर्देश : मुख्य पृष्ठ पर कोर्स का नाम, कोर्स कोड, अपना नाम, माता – पिता का नाम, अनुक्रमांक या पंजीकरण संख्या, सम्पर्क संख्या **(Mobile No)** , साफ एवं स्पष्ट शब्दों में लिखें।

प्रदत्त – कार्य –1

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5, 3.5 = 7

1 रसखान का साहित्यिक परिचय लिखिए।

2 मीरां की साहित्यिक विशेषताएं लिखिए।

3 बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्पष्ट करें।

4 घनानंद की साहित्यिक विशेषताएं लिखिएं।

प्रदत्त – कार्य –2

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5, 3.5 = 7

1 रसखान की साहित्यिक विशेषताएं लिखिए।

2 मीरां का साहित्यिक परिचय लिखिएं।

3 बिहारी की साहित्यिक विशेषताओं को स्पष्ट करें।

4 घनानंद का जीवन परिचय लिखिएं।

प्रदत्त – कार्य –3

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3, 3 = 6

1 मीरां की विरह वेदना को स्पष्ट कीजिए।

2 रसखान की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

3 बिहारी की बहुज्ञता को स्पष्ट करें।

4 घनानंद की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्र

विषय – (MHIN 202) हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्रदत्त कार्य-1 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 आधुनिक काल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर विवेचनात्मक निबंध लिखें ।

प्र०2 भारतेन्दु युगीन साहित्यकारों का सहित्यिक परिचय देते हुए तत्कालीन कविता की विशेषताएं लिखिए ।

प्र०3 द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकारों की साहित्यिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

प्र०4 स्वछंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास छायावादी काव्य विषय पर विवेचनात्मक निबंध लिखिए ।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-2 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 हिन्दी साहित्य के इतिहास में छायावादी कवियों के योगदान का वर्णन कीजिए ।

प्र०2 उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए ।

प्र०3 रामधारी सिंह दिनकर एक राष्ट्रकवि हैं इस कथन की विवेचना कीजिए ।

प्र०4 समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा कीजिए ।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-3 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 हिन्दी गद्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए ।

प्र०2 हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचंद के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

प्र०3 हिन्दी आलोचना के उद्भव और विकास पर निबंध लिखें ।

प्र०4 हिन्दी पत्रकारिता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

कुल अंक 3+3=6

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्र

विषय – (MHIN 203) हिन्दी गद्य साहित्य

प्रदत्त कार्य-1 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 बालकृष्ण भट्ट द्वारा रचित **'कौलीन्य और सद्वृत्त'** नामक निबंध के प्रतिपाद्य को स्पष्ट करें।

प्र०2 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध **'नाखून क्यों बढ़ते हैं'** के भाषा सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

प्र०3 डॉ० रामविलास शर्मा के निबंधों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्र०4 विद्यानिवास मिश्र के निबंधों की शैली को स्पष्ट कीजिए।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-2 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 कुबेरनाथ राय के पठित निबंध **'षोडशी के चरणकमल'** की भाषा शैली का परिचय दीजिए।

प्र०2 **'आचरण की सभ्यता'** निबंध के माध्यम से सरदार पूर्णसिंह के विचारों की समीक्षा कीजिए।

प्र०3 प्रेमचंद की कहानी 'दुनिया का सबसे अनमोल रत्न' की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

प्र०4 कहानी कला की दृष्टि से जैनेन्द्र कुमार की **'पत्नी'** कहानी का मूल्यांकन स्पष्ट कीजिए।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-3 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 निर्मल वर्मा की कहानी शैली की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्र०2 ऊषा प्रियंवदा की **'वापसी'** कहानी की तात्विक विवेचना करें।

प्र०3 "शेखर जोशी की कहानी **'कोसी का घटवार'** में प्रेम और क्रीडा का संत्रास है।" कथन को स्पष्ट कीजिए।

प्र०4 एस० आर० हरनोट की कहानी **'जीन काठी'** के कथ्य एवं मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

कुल अंक 3+3=6

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्र

हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि

कोर्स कोड़ : **MHIN 204**

निर्देश : मुख्य पृष्ठ पर कोर्स का नाम, कोर्स कोड, अपना नाम, माता – पिता का नाम, अनुक्रमांक या पंजीकरण संख्या, सम्पर्क संख्या **(Mobile No)** , साफ एवं स्पष्ट शब्दों में लिखें।

प्रदत्त – कार्य –1

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5 + 3.5 = 7

1 हिंदी भाषा का विकास लिखिए।

2 प्राचीन भारतीय आर्यभाषा का विकास लिखिए।

3 मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा का विकास लिखिए।

4 वैदिक भाषा विशेषताएं लिखिएं।

प्रदत्त – कार्य –2

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5 + 3.5 = 7

1 आधुनिक भारतीय आर्यभाषा का विकास लिखिए।

2 पश्चिमी हिंदी की भाषाओं का परिचय लिखिए।

3 खडीबोली की साहित्यिक विशेषताओं को स्पष्ट करें।

4 अवधि भाषा का परिचय लिखिए।

प्रदत्त – कार्य –3

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3 + 3 = 6

1 पूर्वी हिंदी की बोलियों का परिचय लिखिए।

2 राजस्थानी भाषा का परिचय लिखिए।

3 हिंदी भाषा के विविध रूप को स्पष्ट किजिए।

4 देवनागरी लिपि का स्वरूप को स्पष्ट करें।